Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि - 17/A17

104

Time : 3 Hours **(Paper - III)** **Maximum Marks : 200**

सामान्य ज्ञान व सामान्य अध्ययन
General Knowledge & General Studies

Name :		MARKS	
Enroll. No.:	Part	Att. Ques.	Marks Obtained
Date of Birth :	Unit- I	12	37
Medium : HINDI	Unit - II	12	34.5
E-mail :	Unit - III	16	32.5
Exam Date : 14.01.24	Total	40	104.0

Evaluator's Code	Reviewer's Code	Invigilator's Signature	Student's Signature
SID			

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam.
2. दिये गये रिक्त स्थान में निर्देशित शब्द सीमा में उत्तर दें।
   Write the answers according to the prescribed word limit, in the space given.
3. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
4. परीक्षा के पश्चात् उत्तर पुस्तिका हॉल अधीक्षक को सौंप दें।
   Return the answer booklet to the hall superintendent after completing the paper.
5. अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
   Candidates should not write more than the prescribed word limit in answers, violating this may result in deduction of marks.
6. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।
   Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.

SAMYAK, Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur, 9875170111
Test Series Helpline & Whatsapp - 9414988860, Email Id - samyaktestseries@gmail.com

	REVIEW PARAMETERS	SCALE			
		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?				
a.	**Answer Relevancy**			✓	
b.	**Answer Enrichment** points like use of: · **Key Terms/** Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc. **Association with the Current Affairs** and **use of examples** to explain the concept and idea			✓	
2.	HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?				
a.	**Structure** - Intro, Body, Conclusion			✓	
b.	**Presentation** – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps			✓	
c.	**Language & Grammar**			✓	
d.	**Word limit**			✓	

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव :-

1.

2.

3. * सराहनीय प्रयास।

4. * Sport & YOGA पर विशेष ध्यान देवे, इसे

5. current affairs के साथ तैयार करें।

6.

7. * बड़े प्रश्नों में Conclusion अवश्य लिखें।

8. * सभी प्रश्नों को हल करने का

9. प्रयास करें।

10.

11.

GENERAL STUDIES & GENERAL KNOWLEDGE

(Total 200 Marks)

Unit – I (यूनिट – I)

(75 Marks) (75 अंक)

Part – A (भाग - अ)

Marks : 10
अंक : 10

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. 'भविष्यलक्षी अधिनिर्णय का सिद्धान्त' पर टिप्पणी लिखिए-
Write a note on 'Principle of prospective adjudication'.

* 09 - मंडल वाद (1992)
* भारत में सर्वप्रथम गोलकनाथ वाद द्वारा लागू (1967)

भविष्यलक्षी अधिनिर्णय से आशय वर्तमान में दिया गया ऐसा निर्णय जो भविष्य की किसी तिथि से प्रभावी होगा। यह सिद्धांत 'भूतलक्षी अधिनिर्णय' के सिद्धांत के विपरीत संकल्पना है

उदाहरण - माननीय उच्चतम-न्यायालय (SC) द्वारा केशवानंद भारती v/s भारतसंघ वाद में संविधान की अनुसूची 9 में अधिनिर्णय की तिथि 24 अप्रैल 1973 के पश्चात् सम्मिलित किये गये नियम, अधिनियमों इत्यादि पर Judicial Review का प्रभावी होना।

(2)

(Write above this line only)

2. "संसदीय जांच, न्यायिक जांच से भिन्न है।" स्पष्ट करें-
"Parliamentary investigation is different from judicial investigation." Explain-

संसदीय जांच तथा न्यायिक जांच में अंतर -

संसदीय जांच	न्यायिक जांच
1. सामान्यतः संसदीय मामलों अथवा संसदीय विशेषाधिकार हनन के मामले में।	1. न्यायिक अधिकरण, न्यायालय इत्यादि के निर्णय, दिशा निर्देशों के अधीन जांच
2. सामान्यतः संसद अथवा विधायिका द्वारा आंतरिक जांच	2. न्यायालय इत्यादि द्वारा निर्देशित समिति के माध्यम से जांच
3. प्रायः संसद सदस्यों के माध्यम से जिसमें न्यायिक हस्तक्षेप नहीं है	3. जांच प्रक्रिया में प्रायः किसी सेवानिवृत्त अथवा वर्तमान न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच समिति।
उदाहरण - संसदीय स्थायी/तदर्थ समिति के द्वारा बोफोर्स जांच समिति इत्यादि	

(2)

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

* स्वामित्व योजना App
* जमीनी स्तर पर e-गवर्नेंस, डिजिटलीकरण में वृद्धि

3. ग्राम मानचित्र
Village Map

* ग्राम मानचित्र से आशय संविधान की अनुसूची 11 वीं तथा अनुच्छेद 243 के तहत राज्यपाल द्वारा अधिसूचित ग्रामीण/ग्राम क्षेत्र का भौगोलिक मानचित्र से है।

1

* सामान्यतः ग्रामीण स्थानीय स्वशासन के प्रशासनिक एवं भौगोलिक सीमाओं को स्पष्ट करता है।
* ग्राम की राजस्व सीमाओं को प्रदर्शित कर स्थानीय स्वशासन को संभव बनाता है।

(Write above this line only)

4. फाइव आईज अलायंस क्या है? भारत-कनाड़ा मुद्दे पर फाइव आइज की भूमिका बताये-
What is Five Eyes Alliance? Explain the role of Five Eyes on India-Canada issue-

भारत -कनाडा

(Write above this line only)

* भारत के परिपेक्ष्य में टर्की का role लिखे
  - कश्मीर मुद्दे पर भारत का विरोध
  - भारत की UNSC में स्थाई सदस्यता का विरोध

5. वैश्विक भू-राजनीति में तुर्की की उभरती भूमिका को भारत के संबंध में स्पष्ट करें-
Explain the emerging role of Turkey in global geo-politics in relation to India-

तुर्की अथवा तुर्किये वर्तमान में वैश्विक भूपटल पर उभर कर सामने आया है
* तुर्की की अवस्थिति एशिया माइनर पर होने के कारण यह भू-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है

1

* तुर्की यूरोप एवं एशिया के मध्य सेतु का कार्य करता है जो दो विभिन्न भौगोलिक - सांस्कृतिक - आर्थिक क्षेत्रों का मिलन बिंदु है
* हाल ही में तुर्की में आए strike-slip भूकम्प के समय विभिन्न देशों द्वारा मानवीय - आर्थिक सहायता इस क्षेत्र की भूमिका स्पष्ट
* तुर्की का NATO का सदस्य होने एवं भू-रणनीतिक रूप से तुर्की है महत्वपूर्ण अवस्थिति पर होने के कारण वैश्विक भूपटल पर भारत को यूरोप एवं एशिया से घनिष्ठ रूप से जोड़ता है

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

(5)

Part – B

भाग - ब

Marks : 25

अंक : 25

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. जलवायु परिवर्तन संबंधित शब्दावली/सिद्धान्तों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए-

Briefly describe the terminology/theories related to climate change-

1. सी. बी. डी. आर./ C.B.D.R.
2. जस्ट ट्रांजिशन/Just transition

1. C.B.DR → Common But Differentiated Responsibility

- C.B.D.R. की अवधारणा जलवायु परिवर्तन के प्रति वैश्विक सहयोग में विकसित एवं विकासशील देशों के लिए विभेदीकृत दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।
- भारत द्वारा विभिन्न मंचों द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रति CBDR उपागम के तहत उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों में विभेदीकृत राहत देने का आग्रह किया जा रहा है।

3

2. Just Transition - जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध उत्सर्जन कटौती के अंतर्गत अर्थव्यवस्थाओं के उत्सर्जन गहन से उत्सर्जन न्यून अर्थव्यवस्था में परिवर्तन

- यह संक्रमण को संदर्भित करता है - Emmision High Economy → Low Emmission Economy

Fossil Fuel Based Economy → Renewable Energy Based Non-fossil Economy

- इसी के तहत भारत ने LeadIT (Leadership in Industry transition) पहल प्रारम्भ की है।
- ~~इसी Green transition भी कहते है~~

(Write above this line only)

2. संविधान के मूलाधिकारों में उल्लेखित 'लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता' की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए अवसर की समता के अपवादों का उल्लेख कीजिए।

While clarifying the concept of 'equality of opportunity in the matter of public employment' mentioned in the fundamental rights of the Constitution, mention the exceptions to equality of opportunity.

सार्वजनिक रोजगार हेतु नियोजन की स्थिति की विवेचना कर उदाहरण से समझाएं

लोक नियोजन में अवसर की समानता - अनुच्छेद 16 के तहत नस्ल, धर्म, जन्म स्थान, लिंग, जाति तथा वंशक्रम एवं निवास स्थान के आधार पर भेद-भाव समाप्त करता है।

[अपवाद]

अनुच्छेद 16(1) - महिलाओं एवं बच्चों के मामले में

अनुच्छेद 16(2) - SC/ST अनुसूचित जाति एवं जनजाति के मामले में

अनुच्छेद 16(3) - संसद द्वारा किसी राज्य के क्षेत्र विशेष के लोगों को लोक नियोजन में आरक्षण. उदाहरण तेलंगाना के लिए किये गये विशेष प्रावधान

अनुच्छेद 16(4) - लोक नियोजन में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए विशेष प्रावधान

2½

अतः भारतीय संविधान अनुच्छेद 16(1), (2), (3), (4) इत्यादि के माध्यम से लोक नियोजन में विभिन्न वंचित वर्गों के पक्ष में राज्य द्वारा 'सकारात्मक कार्यवाही' का प्रावधान करता है।

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

3. भारत में जातिगत राजनीति की व्यापकता शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सार्वजनिक संस्थाओं के विकास और गुणवत्ता को कैसे प्रभावित करती है?

How does the prevalence of caste politics in India affect the development and quality of public institutions in vital sectors such as education and healthcare?

चुनौतियाँ : आलोचनात्मक कार्यभार
: अन्य एजेंसी का न होना
: स्टाफ की कमी
: इन्फ्रा & धन की कमी
* चुनौती & सीमाओं को अलग-2 कर लिखें

(Write above this line only)

4. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष आने वाली चुनौतियों और सीमाओं का संक्षेप में वर्णन करें-

Briefly describe the challenges and limitations faced by the National Human Rights Commission-

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष आने वाली चुनौतियाँ एवं सीमाएँ -
NHRC

* NHRC की अनुशंसाएँ राज्य पर बाध्यकारी न होना एवं केवल सलाहकारी होना
* NHRC द्वारा एक वर्ष से पुराने मामलों को न स्वीकार किये जा सकना
* सैन्य न्यायालयों / मामलों में NHRC की सीमित भूमिका होना
* विभिन्न मामलों में सरकार द्वारा समयबद्ध रिपोर्ट न देना एवं अनुपालन नहीं करना
* NGOs, Civil society इत्यादि के माध्यम से मानवाधिकारों के क्षेत्र में अनुसंधान एवं शोध करने की सीमाएँ।
* NHRC द्वारा Human Rights के क्षेत्र में जागरूकता फैलाने की सीमित प्रभाविता।
* पूर्व CJI एच. एल. दत्तू द्वारा NHRC को कागजी शेर तथा कागजी दांत वाला आयोग कहकर पुकारना इसकी सीमाओं को स्पष्ट करता है
* संवैधानिक निकाय के रूप में न होना तथा सांविधिक निकाय के रूप में प्रभावी स्थिति न होना।

(Write above this line only)

2½

Samyak
An Institute For Civil Services

* कमजोर वर्गों की सुरक्षा (Art 46)
* सहकारी समितियों के गठन द्वारा आर्थिक विकास & शोषित वर्ग को मुख्य धारा में (Art 43B)
* पर्यावरण संरक्षण & पशुधन संरक्षण, (Art 48, 48A)

5. ''संविधान में उल्लेखित 'राज्य के नीति निदेशक तत्व' राष्ट्र व समाज के विकास/प्रगति में सहायक है।'' स्पष्ट कीजिए-

"The 'Directive Principles of State Policy' mentioned in the Constitution are helpful in the development/progress of the nation and society." Explain-

* संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 36 से 51 के मध्य DPSPs का प्रावधान किया गया है।
* न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय न होते हुए (अनुच्छेद 37) भी राज्य के vision अथवा दर्शन में प्रभावी महत्व है।

(3)

* DPSPs राज्य में सामाजिक-आर्थिक न्याय (वितरणमूलक) स्थापित करते हैं।
* अनुच्छेद 38, 39 इत्यादि के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों यथा महिलाओं, बच्चों इत्यादि के लिए संरक्षणवादी उपागम की कल्पना कर समावेशी विकास "inclusive development" सुनिश्चित करते हैं।
* कुछ DPSPs (अनुच्छेद 38,39) को मूल अधिकारों पर वरीयता प्राप्त है जिससे न्याय सुनिश्चित है।
* DPSPs के अनुच्छेद 40 (पंचायत) के माध्यम से सरकार द्वारा 72वें एवं 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से प्रतिभागितामूलक समाज एवं लोकतंत्र की स्थापना। (विकेंद्रीकरण को लागू करना)
* गांधीवादी DPSPs (अनुच्छेद 40, 48 इत्यादि) के माध्यम से समाजवादी चरित्र की स्थापना जिससे समाज में विषमताएँ समाप्त हो।
* DPSPs, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अभिवृत्ति के माध्यम से एक प्रगतिशील, तार्किक समाज को सुनिश्चित करते हैं।

(Write above this line only)

सिविल सेवा की तैयारी को समर्पित संस्थान

RAS | IAS | PSI

ऑफलाइन व Live From Classroom | Exclusive Hindi & English Medium | ऑफलाइन बैच के साथ ऑनलाइन कोर्स फ्री
Printed Booklets/E-Notes | Classes By Best Experts & Library Facility | Personal Mentorship

Samyak
An Institute For Civil Services

ONLINE COURSES AVAILABLE ON SAMYAK APP
Live & Recorded Classes
Personal Mentorship
Test Series & Solution
Toppers' Strategic Sessions
Download & Join

NEAR RIDDHI-SIDDHI, GOPALPURA, JAIPUR
9875170111

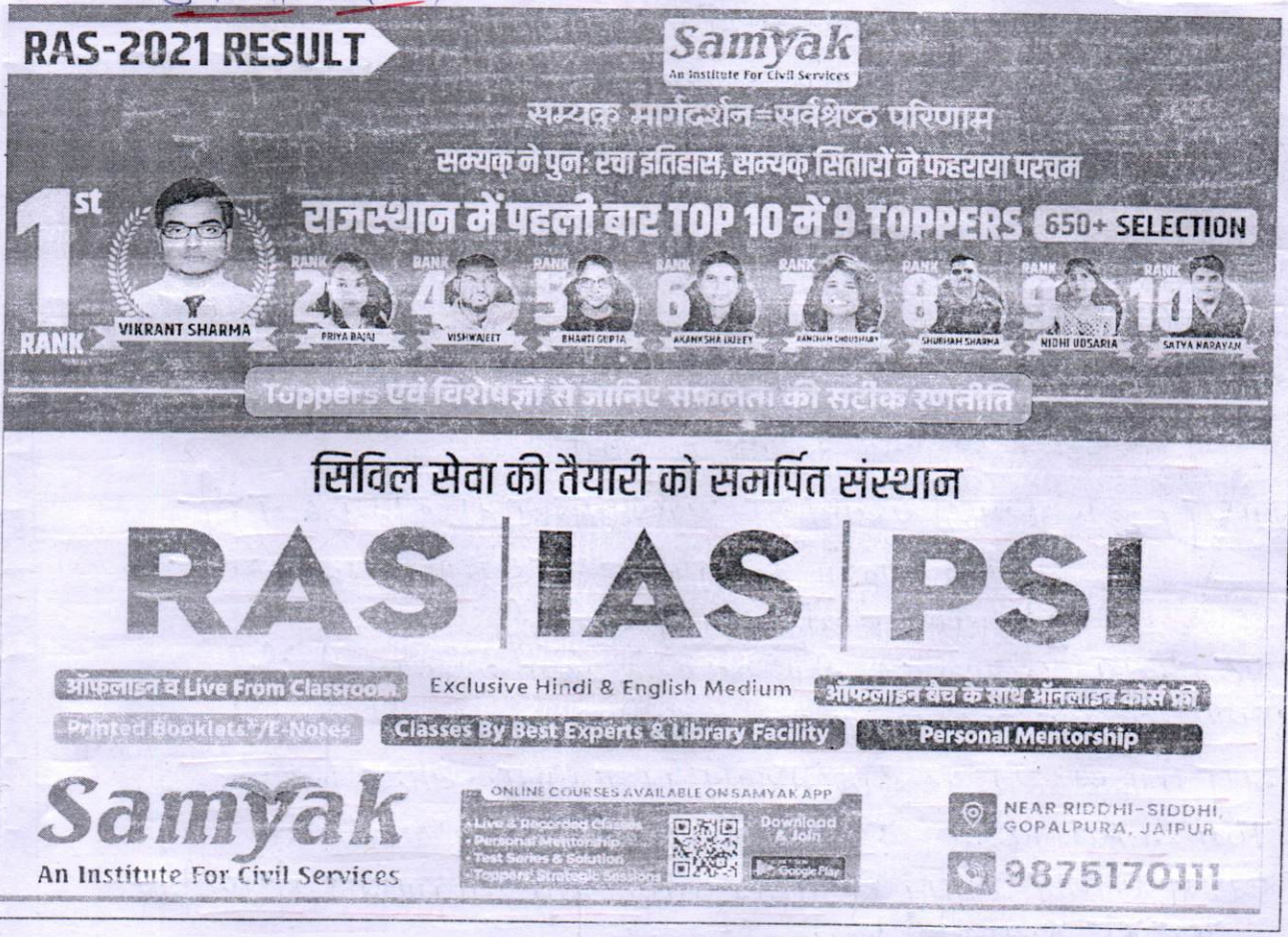

सुझाव भी लिखे।
* प्रभावी बनाने हेतु
० संवैधानिक समीक्षा इत्यादि
० सार्वजनिक संवाद
० Basic Structure की परिभाषा की स्पष्टता & स्पष्टता

Part – C
Marks : 40

भाग - स
अंक : 40

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 100-100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

1. भारतीय लोकतंत्र के सन्दर्भ में 'बुनियादी संरचना के सिद्धांत के पक्ष और विपक्ष' में दिये जाने वाले तर्कों का मूल्यांकन करते हुए इन्हें प्रभावी बनाने हेतु सुझाव दीजिए-
Evaluate the arguments given in 'For and against the principle of basic structure' in the context of Indian democracy and give suggestions to make them effective.

बुनियादी संरचना (Basic Structure) – उच्चतम न्यायालय द्वारा केशवानंद भारती v/s भारत संघ (1973) के मामले में संकल्पना दी गई।

पक्ष में तर्क –

1. बुनियादी संरचना की अवधारणा संविधानवाद एवं संवैधानिक नैतिकता को सुनिश्चित करती है।
2. यह संसदीय संप्रभुता एवं न्यायिक सर्वोच्चता के मध्य संतुलन बनाती है।
3. लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संवैधानिक मूल्यों को स्थायित्व प्रदान करती है।
4. संसद की संशोधन करने की सीमित शक्ति एवं न्यायालय की न्यायिक समीक्षा की शक्ति के मध्य संतुलन स्थापित करती है।
5. संवैधानिक जड़ता एवं गत्यात्मकता के मध्य सेतु का कार्य करती है।

5

विपक्ष में तर्क – 1. मूल संविधान में स्पष्ट तौर पर नहीं है। न्यायपालिका द्वारा स्थापित कृत्रिम अवधारणा।
2. संसदीय संप्रभुता पर न्यायिक सर्वोच्चता को स्थापित करती है।
3. शासन के तीनों अंगों के मध्य स्थापित शक्ति एवं संतुलन के सिद्धांत के विपरीत संकल्पना जिसमें व्यवस्थापिका - विधायी कार्य
न्यायपालिका - न्यायिक कार्य
4. Judicial Activism से Judicial over Reach (न्यायिक अतिसक्रियता) की ओर गमन
(न्यायिक सक्रियता)
5. व्यवस्थापिका तथा न्यायपालिका के मध्य अनावश्यक गतिरोध तथा अंततः सरकार द्वारा लोक कल्याण में बाधा

मूल्यांकन – 1. बुनियादी संरचना की अवधारणा न तो कृत्रिम है न ही संवैधानिक प्रबंधों के विपरीत यह संवैधानिक मूल्यों एवं अंतरात्मा का प्रतिनिधित्व करती है।
2. यह वास्तव में शासन के तीनों अंगों के मध्य संतुलनकारी है।
3. बुनियादी संरचना की अवधारणा एक प्रगतिशील अवधारणा है जिसका न्यायपालिका द्वारा संतुलित एवं वस्तुगत प्रयोजन किया जाना चाहिए जिससे Judicial Activism Judicial over Reach में न परिवर्तित हो।
4. संसद की संविधान संशोधन की सीमित शक्ति तथा न्यायपालिका की पुनरीक्षण करने की क्षमता ही 'Basic Structure' है।

* S.C. के निर्णय के उदाहरण भी लिखें
जैसे • शाहीन बाग (2019)
• मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ (2018)

Samyak
An Institute For Civil Services

(9)

2. 'विरोध का अधिकार' संबंधित प्रावधान तथा इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-

Write a short note on the provision related to 'Right to Protest' and the decision of the Supreme Court in this context .

विरोध का अधिकार -

* संविधान में स्पष्ट तौर पर प्रदान नहीं परंतु अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) के अधीन निहित अधिकार है
* विरोध के अधिकार से आशय विपरीत मत/प्रतिमत को शांतिपूर्ण एवं विधिक माध्यम से रखने का अधिकार।
* ऐतिहासिक तौर पर यह गांधीजी के 'सत्याग्रह' पर आधारित अधिकार है
* व्यक्ति की किसी विषय/मुद्दे/घटना पर विपरीत/विरोधी अभिव्यक्ति का अधिकार है

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर विरोध के अधिकार को स्पष्ट किया गया है

* 'विरोध का अधिकार' भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के मूलाधिकार में ही सम्मिलित है।
* 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' पर लगने वाले युक्तियुक्त निर्बंधन जैसे लोक व्यवस्था, भारत की एकता एवं अखण्डता, सदाचार इत्यादि विरोध के अधिकार पर भी लागू होंगे।
* विरोध से आशय शांतिपूर्ण एवं सदाचारी माध्यम से अपने मत को प्रस्तुत करना है।
* विरोध के अधिकार में 'बंद का अधिकार' शामिल नहीं है
* इसके अंतर्गत स्वेच्छा से 'हड़ताल का अधिकार', 'प्रदर्शन का अधिकार' शामिल है।
* विरोध के दौरान सार्वजनिक सम्पत्ति अथवा नागरिकों को सामाजिक-आर्थिक नुकसान करना प्रतिबंधित है।

इस प्रकार विरोध का अधिकार जहाँ एक तरफ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के तहत मूल अधिकार है वहीं इस पर कुछ संवैधानिक युक्तियुक्त निर्बंधनों की भी व्यवस्था है जिससे अन्य व्यक्तियों के अधिकार संरक्षित रहें।

(5)

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

. Conclusion लिखे

वर्तमान परिदृश्य → [. रणनीतिक समझौते
. Think west नीति
. जयशंकर सिद्धांत]

(10)

3. भारत-पश्चिम एशिया संबंधों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए वर्तमान परिदृश्य में हो रहे नीतिगत बदलावों पर प्रकाश डालिए-

Explain the historical background of India-West Asia relations, throw light on the policy changes taking place in the current scenario.

पश्चिम एशिया से तात्पर्य - ईराक, ईरान, UAE, सऊदी अरब, बहरीन, कतर, इजराइल, सीरिया, जॉर्डन, लेबनान, आर्मीनिया, अजरबैजान इत्यादि देशों से है।

भारत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि -

* ऐतिहासिक तौर पर भारत के पश्चिम एशिया से घनिष्ठ संबंध रहे हैं।
* सिंधु घाटी सभ्यता के मेसोपोटामिया, दजला -फरात सभ्यता इत्यादि के साथ सामाजिक - आर्थिक - व्यापारिक संबंध।
* मौर्यकाल में चन्द्रगुप्त मौर्य एण्ड्रोकोटस / सेंड्रोकोटस के रूप में विवरण मिलता है। जो मौर्यकाल में प. एशिया से संबंध स्पष्ट करता है।
* अरब देशों में शून्य का ज्ञान, अंकगणित का ज्ञान भारत से ही प्रस्थापित हुआ जो पश्चिम एशिया के साथ सांस्कृतिक संबंधों को स्पष्ट करता है।
* विभिन्न अरब एवं पश्चिमी एशिया के यात्रियों जैसे सुलेमानी, इब्न बतूता, बगदादी इत्यादि द्वारा भारत की यात्राएँ की गई।
* आजादी के पश्चात् भी भारत द्वारा पश्चिम एशिया के प्रति ऐतिहासिक-सांस्कृतिक एवं सामाजिक जुड़ाव के तहत् घनिष्ठ संबंध स्थापित किये गये।
* भारत ने ऐतिहासिक तौर पर फिलीस्तीन का समर्थन किया है, ईरान-ईराक के साथ व्यापारिक-आर्थिक संबंध स्थापित किये है।

वर्तमान में नीतिगत परिवर्तन -

* वर्तमान में भारत अरब एवं पश्चिमी एशिया को यूरोप एवं ग्लोबल उत्तर के साथ संबंधों में एक सेतु के रूप में घनिष्ठ सहयोगी एवं मित्र के रूप में देखता है।
* भारत I2U2 के तहत् पश्चिमी एशिया में शांति, सहयोग एवं समृद्धि की परिकल्पना करता है।
* INST (International N-S Transport) के तहत् ईरान के साथ भागीदारी
* ईरान में चाबहार बंदरगाह, जरंज-डेलाराम Highway इत्यादि का विकास कर पश्चिम एशिया में प्रभावी स्थिति स्पष्ट कर रहा है।
* भारत पश्चिम एशिया से घनिष्ठ संबंधों को पड़ोसी देश पाकिस्तान एवं चीन को प्रतिस्थापीकारी पहल के रूप में देखता है।
* भारत UAE, सऊदी अरब के साथ भी घनिष्ठ साझेदारी कर रहा है।
* वर्तमान में इजरायल - फिलीस्तीन विवाद में आपसी संवाद, सहयोग पर बल एवं आतंकवाद के प्रति Zero tolerance की नीति रखता है।

(Write above this line only)

5

शमन उपाय : शिक्षा & जागरूकता द्वारा जनजागृति
· त्रिभाषा फार्मूले का प्रभावी क्रियान्वयन
* Conclusion लिखें |

(11)

4. भारत में भाषा एवं राजनीति में अन्तःक्रिया स्पष्ट करते हुए इसके दुष्परिणामों को लिखते हुए भाषावाद के शमन के सन्दर्भ में कारगर उपाय उल्लेखित कीजिए।

Explain the interaction between language and politics in India and write down its ill effects and mention effective measures to mitigate linguisticism.

→ भारत विविधताओं का देश है तथा भाषायी विविधता भारत की अनूठी विशेषता है जो विभिन्न भारतीय समुदायों, समाजों एवं संस्कृतियों की इतरजीविता सुनिश्चित करते हुए एक सूत्र में बांधने का प्रयास करती है।

→ भाषा प्रायः अनुभूतियों, अनुभवों - विचारों इत्यादि को प्रदर्शित करने का माध्यम है तथा अभिव्यक्ति का माध्यम है जो किसी संस्कृति/समाज की अनन्य पहचान होती है।

भाषा एवं राजनीति में अन्तःक्रिया -

* स्वाधीनता संघर्ष के दौरान ही भाषा एवं सामाजिक विशेषताओं के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का एक सुनिश्चित जनाधार तैयार हो गया था जिसकी माँग स्वतंत्रता पश्चात आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र जैसे भाषायी राज्यों के गठन, धर आयोग, राज्य पुनर्गठन आयोग इत्यादि में परिलक्षित हुई।
* भाषावाद अथवा भाषायी अलगाव राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्र निर्माण में प्रतिरोध उत्पन्न करती है जिसे राजनीति के माध्यम से तुष्टिकरण के प्रयासों में देखा गया है।
* भारतीय राजनीति में उत्तर-दक्षिण वैमनस्य, मराठी-गैर मराठी वैमनस्य, गुजराती-मराठी वैमनस्य, हिंदी-इंगलिश वैमनस्य इत्यादि देखा गया है तथा इन विषयों का व्यापक तौर पर राजनीतिकरण हुआ है।
* भाषा जैसे सांस्कृतिक मुद्दे का राजनीति से अन्तःक्रिया होने पर अंततः भारत की विविधता में एकता की छवि एवं राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे अलगाववाद, क्षेत्रवाद जैसी समस्याएं उत्पन्न होती है।

5

शमन के उपाय -

(1) भाषायी विविधता का सम्मान करते हुए राजनीतिक तुष्टीकरण के बजाय सर्वसम्मति मूलक उपाय तलाशने चाहिए।
(2) संविधान की अनुसूची 8 में मूल संविधान में 14 भाषाएं थी वर्तमान में 22 हो गई है जो विभिन्न भाषाओं के प्रति स्वीकारोक्ति स्पष्ट करती है।
(3) अनुच्छेद 350(ख), राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP, 2020) भाषायी विविधता को स्वीकार कर शिक्षा में समायोजन करती है।
(4) भाषायी विविधता किसी देश की सांस्कृतिक धरोहर होती है इन पर लगातार अनुसंधान एवं शोध किया जाना चाहिए एवं समानता का व्यवहार किया जाना चाहिए।

(Write above this line only)

निष्कर्षतः भाषाई विविधता देश की सांस्कृतिक विरासत है अतः उदारवादी दृष्टिकोण एवं आपसी सामंजस्य से भारतीय राजनीति से भाषावाद को नियंत्रित किया जा सकता है।

(65 Marks)
(65 अंक)

Unit – II
(यूनिट – II)

Marks : 10
अंक : 10

Part – A
भाग - अ

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. सिटीजन चार्टर के प्रमुख घटकों को उल्लेखित कीजिए-
Mention the main components of the Citizen's Charter-

+ परामर्श व विकल्प
+ सेवा मानकों का निर्धारण

सिटिजन चार्टर – सिटिजन चार्टर की अवधारणा सिटिजन चार्टर एक्ट के माध्यम से नागरिकों को सशक्त करती है एवं प्रशासन को जवाबदेह एवं पारदर्शी बनाती है।

* इसके तहत प्रत्येक सार्वजनिक कार्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का विस्तृत ब्यौरा एवं संबंधित अधिकारी की सूचना कार्यालय में उचित स्थान पर प्रदर्शित की जानी चाहिए।
* यह सेवा प्रदायगी में देरी अथवा अप्रदायगी में शिकायत करने की प्रक्रिया भी सार्वजनिक करने का प्रावधान करती है।
* प्रदान की जाने वाली सेवा, सेवा शुल्क एवं समय सीमा भी सार्वजनिक करने का प्रावधान करती है।
* Citizen Charter = सशक्त नागरिक + पारदर्शी-जवाबदेह प्रशासन

1½

(Write above this line only)

2. राजस्थान लोक सेवा अधिनियम, 2011 की किन्हीं दो सीमाओं को उल्लेखित कीजिए-
Mention any two limitations of Rajasthan Public Service Act, 2011-

राजस्थान लोक सेवा अधिनियम, 2011 सिटिजन चार्टर अधिनियम का ही विस्तृत रूप है।

सीमाएँ →

1. प्रथम अपील अधिकारी द्वारा शिकायत निवारण की अधिकतम अवधि 21 दिन होना जो कि अनावश्यक देरी को प्रतिबिंबित करता है।
2. प्रथम अपील अधिकारी एवं द्वितीय अपील अधिकारी एक ही पदसोपान में होना तथा वरिष्ठता क्रम में होना।
3. लोक सेवा की प्रदायगी देरी से होने अथवा नहीं होने पर दण्ड के प्रावधान कमजोर होना – अनावश्यक देरी – 250 ₹/day Max 2500 ₹
   अप्रदायगी – 500 ₹/day Max 5000 ₹

2

(Write above this line only)

3. यूएनडीपी द्वारा सुशासन के सन्दर्भ में प्रस्तुत किए गए प्रमुख अभिलक्षणों को लिखिए-
Write the main characteristics presented by UNDP in the context of good governance-

(Write above this line only)

1/2

4. कार्यगत उत्तरदायित्व को परिभाषित कीजिए-
Define work responsibility-

संगठन में व्यक्ति को सौंपे गये कार्य के प्रति उसका उत्तरदायित्व निर्धारित करना

→ उत्तरदायित्व से आशय किसी कार्य के प्रति आत्मिक, नैतिक एवं व्यक्तिगत दायित्व है।
→ उत्तरदायित्व से आशय किसी कार्य को करने, न करने अथवा विशिष्ट तरीके से करने का बंधन है।
→ उत्तरदायित्व सामान्यत: दो प्रकार का होता है - [उत्तरदायित्व - Responsibility / जवाबदेही - Accountability]
→ जहाँ उत्तरदायित्व आत्मिक, व्यक्तिगत, नैतिक बंधन होता है वहीं जवाबदेही वस्तुगत, वैधानिक, एवं बाध्यकारी बंधन होता है।

(Write above this line only)

2

5. 'नव टेलरवाद' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए-
Explain the concept of 'Neo-Taylorism'-

* नव-टेलरवाद से आशय नव लोक प्रशासन से लिया जाता है।
* नव टेलरवाद से आशय लोक प्रशासन के क्षेत्र में विज्ञानवाद, तार्किक विधियों का प्रयोग करना।
* नव लोक प्रशासन (NPA) 1970 के दशक में USA की सामाजिक आर्थिक समस्याओं, हनी प्रतिवेदन, फिलाडेल्फिया सम्मेलन एवं मिन्नोब्रुक सम्मेलन का उत्पाद था।
* नवटेलरवाद के अंतर्गत निम्नलिखित को शामिल किया जाता है-

(i) प्रभावशीलता (A) - जनसहभागिता
(ii) मूल्य (B) विकेन्द्रीकरण
(iii) परिवर्तन (C) प्रशासन - राजनीति द्विविभाजन खंडन
(iv) उत्तरदायित्व (D) पदसोपान में लचीलापन

तथा विनौकरशाहीकरण इत्यादि

(Write above this line only)

Part – B
भाग - ब

(25 Marks)
(25 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. राज्य वित्त आयोग की समीक्षा कीजिए। स्थानीय स्वशासन निकायों के सन्दर्भ में राज्य वित्त आयोग की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Review the State Finance Commission. Critically evaluate the role of State Finance Commission in the context of local self-government bodies.

[राज्य वित्त आयोग] - 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से स्थानीय स्वशासन की स्थापना हुई तथा अनुच्छेद 243(I) एवं 243 (Y) के तहत ग्रामीण · नगरीय शासन के लिए राज्य वित्त आयोग का प्रावधान

[राज्य वित्त आयोग की भूमिका] -

3

* प्रतिभागितामूलक लोकतंत्र में राज्य तथा स्थानीय स्वशासन के मध्य वित्तीय संघवाद की स्थापना
* राज्य एवं स्थानीय स्वशासन के मध्य करों के Net proceeds का वितरण
* स्थानीय स्वशासन के लिए राज्य के करों में वितरण के सिद्धांत की स्थापना करना
* राज्य वित्त आयोग सशक्त स्थानीय स्वशासन को सुनिश्चित करता है परन्तु राज्य द्वारा वित्तीय संसाधनों के बंटवारे में असहयोग तथा वित्त आयोग में राजनीतिक नियुक्ति इसकी प्रभावशीलता को कम करती है। राज्य वित्त आयोग Fiscal federalism को एक स्तर आगे लेकर स्थानीय संवैधानिक संघवाद को सुनिश्चित करता है।

2. "उत्तरदायित्व, एक अधीनस्थ पर अपने प्राधिकार के इच्छित कार्यों को करने का बंधन है।" उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए-

"Responsibility is the obligation of a subordinate to perform the tasks required by his authority."

Explain the above statement.

नैतिक & आत्मिक गुण

* "उत्तरदायित्व से आशय किसी कार्य को करने, न करने अथवा एक विशेष तरीके से करने का बंधन है।"
* उत्तरदायित्व + विधिक बाध्यता = जवाबदेही (Accountability)
* किसी भी संगठन में आदेशों का प्रवाह ऊपर से नीचे होता है तथा अधीनस्थों को अपने अधिकारी द्वारा दिये गये आदेशों का निर्वाह करना ही उत्तरदायित्व है
* उत्तरदायित्व के अधीन किसी व्यक्ति (अधीनस्थ) पर कार्य करने का विधिक एवं बाध्यकारी बंधन आरोपित होता है जिसके तहत उसे कार्य को पूर्वनिर्धारित समयसीमा एवं मापकों के अनुसार करना होता है।

3

* उत्तरदायित्व पूर्ण प्रशासन संगठन की प्रभावशीलता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि करती है

(3)

(15)

3. 'नव लोक सेवा प्रतिमान द्वारा 'शासन को पुन: परिभाषित' करने हेतु प्रदत्त सिद्धान्तों को उल्लेखित कीजिए-

Mention the principles propounded by the New Public Service Model to 'redefine governance'.

नव लोक सेवा प्रतिमान का सिद्धांत क्रिस्टोफर हुड तथा ओसबर्न एवं गैब्लर द्वारा दिया गया

क्रिस्टोफर हुड - A New Public Administration of All season

ऑसबर्न-गैब्लर - 'Re defining governance'

सिद्धांत — 1. प्रशासन विनियामक न होकर - प्रोत्साहनकर्ता, वितरणकर्ता, सुविधाकर्ता के रूप में

2. प्रशासन में 3Es (मितव्ययता, प्रभावशीलता, कार्यकुशलता) का समावेश

3. प्रशासन में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, जवाबदेही का समावेशन

4. प्रशासन में विनौकरशाहीकरण ग्राहकोन्मुखता, संवेदनशीलता का समावेश

5. जनसहभागिता एवं अनुक्रियता का समावेश

6. पदसोपान को कम करना एवं पदसोपान में लचीलापन

7. प्रशासन का सामाजिक-सांस्कृतिक-आर्थिक परिवर्तन के साधन/सहायक के रूप में।

8. एक कदम आगे बढ़कर प्रशासन (Pro-people Administration), Maximum governance Minimum government, 3Es, Facilitator, Promotor, (अधिकतम शासन - न्यूनतम सरकार) इत्यादि नव लोक सेवा प्रतिमान है।

(Write above this line only)

4. प्रशासन में विकेन्द्रीकरण के कारण उत्पन्न होने वाले दोषों/सीमाओं को लिखिए-

Write the defects/limitations arising due to decentralization in administration.

प्रशासन में विकेन्द्रीकरण - प्रशासनिक शक्तियों को अधीनस्थ स्तरों तक प्राय: स्थायी रूप से प्रदायगी। उदाहरण - 73 वें एवं 74 वें संविधान संशोधन के माध्यम से स्थानीय स्वशासन

विकेन्द्रीकरण की सीमाएं - * उच्च अधिकारियों के प्रभाव/नियंत्रण में कमी

1. विकेन्द्रीकरण से प्रशासन की एकरूपता समाप्त होना।

2. विकेन्द्रीकरण से अंतिम जवाबदेही का भी अन्य स्तरों पर स्थायी रूप से स्थानांतरित जिससे प्रभावी नियंत्रण एवं निष्पादन पर नकारात्मक प्रभाव। (3)

3. प्रशासन का अनावश्यक विस्तार जिससे प्रशासनिक कार्यों में देरी।

4. उचित प्रशिक्षण एवं नेतृत्व क्षमता के अभाव में प्रशासन के विफल होने की संभावना।

5. अनावश्यक उत्तरदायित्व केन्द्रों की स्थापना से प्रशासन की प्रभावशीलता कार्यकुशलता पर विपरीत प्रभाव

6. 'विनौकरशाहीकरण', Minimum government - Maximum governance की अवधारणा के विपरीत

7. प्रशासन में अनावश्यक देरी भ्रष्टाचार अनियमितताओं की संभावना

(Write above this line only)

8. हीगेल के अनुसार 'प्रशासन में लोकसेवकों का अनावश्यक बोलबाला'

* कार्यों के दोहराव की संभावना * प्रशासनिक लागत ↑

* नारीवादी समर्थकों का दृष्टिकोण भी लिखें
* समाज में परिवर्तन?
उदाहरण —?

5. लोक प्रशासन के नारीवादी दृष्टिकोण को समझाइये-

Explain the feminist perspective of public administration.

1½

लोक प्रशासन का नारीवादी दृष्टिकोण

→ नारीवादी दृष्टिकोण से आशय प्रशासनिक गतिविधियों के दौरान महिलाओं के प्रति संवेदनशील एवं सकारात्मक अभिवृत्ति रखना।

→ प्रशासन में महिलाओं के प्रति सकारात्मक कार्यवाही एवं संवेदनशील प्रयास

→ प्रशासन में महिलाओं की प्रभावी एवं समुचित भागीदारी होना।

→ प्रशासन के द्वारा महिलाओं के अधिकारों, समस्याओं एवं चिंताओं को स्वीकृत कर निर्णय-निर्माण, नीति निर्माण में समावेश

(Write above this line only)

सिविल सेवा की तैयारी को समर्पित संस्थान

RAS | IAS | PSI

ऑफलाइन व Live From Classroom | Exclusive Hindi & English Medium | ऑफलाइन बैच के साथ ऑनलाइन कोर्स फ्री

Printed Booklets*/E-Notes | Classes By Best Experts & Library Facility | Personal Mentorship

Samyak
An Institute For Civil Services

ONLINE COURSES AVAILABLE ON SAMYAK APP
- Live & Recorded Classes
- Personal Mentorship
- Test Series & Solution
- Toppers' Strategic Sessions
Download & Join

NEAR RIDDHI-SIDDHI, GOPALPURA, JAIPUR

9875170111

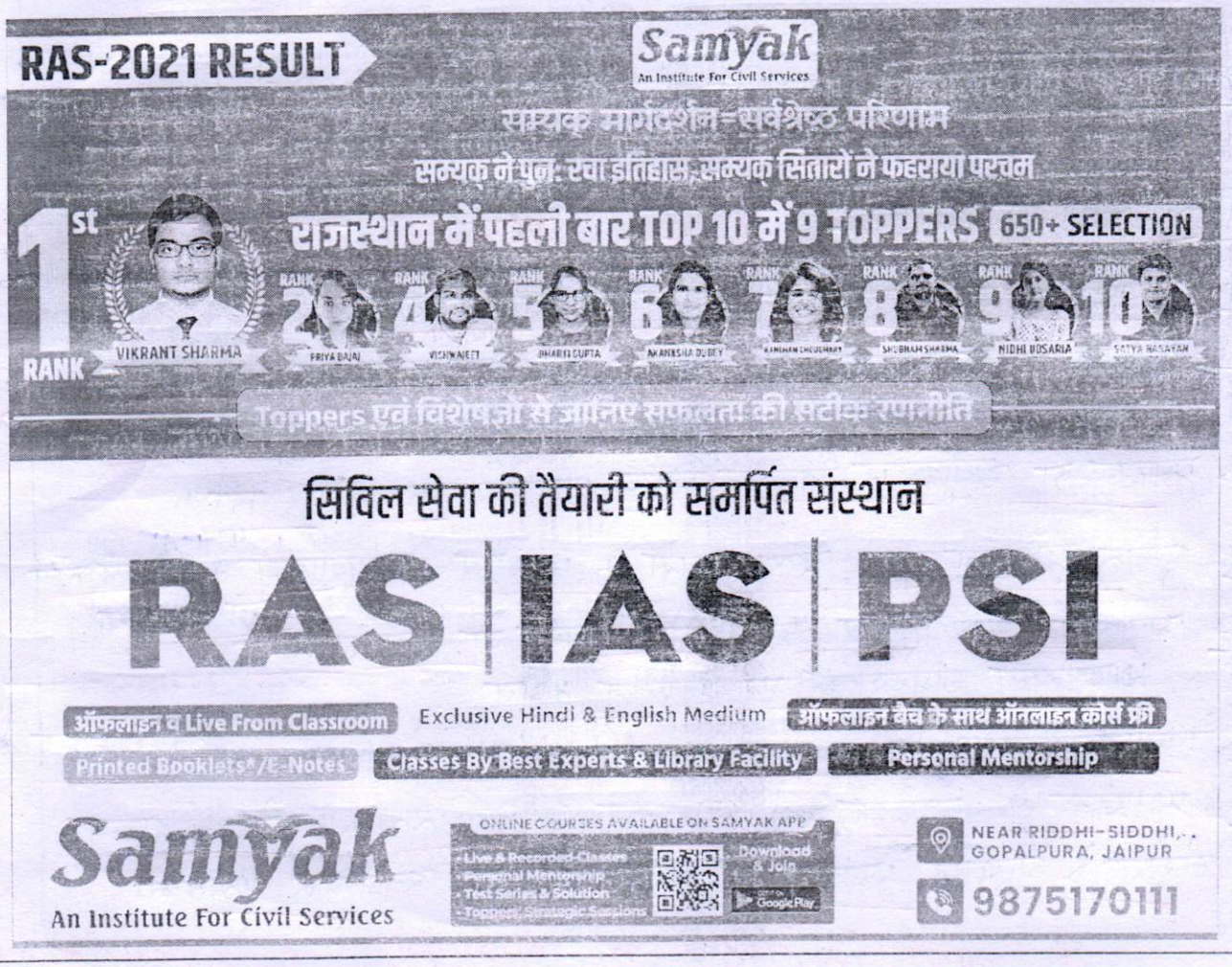

गैर पक्षधारिता एवं तटस्थता भारत में लोक सेवाओं का आधारभूत स्तम्भ है जिसकी व्यापकता को सुदृढ़ करने हेतु त्वरित एवं प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए

* Conclusion लिखें

Part – C
भाग - स

Marks : 30
अंक : 30

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 100-100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

1. गैर पक्षधारिता व तटस्थता का अर्थ बताते हुए भारत में इनकी स्थिति स्पष्ट करें एवं इनके सदृढ़ीकरण हेतु सुझाव दीजिए-

Explain the meaning of non-partisanship and neutrality and explain their status in India and give suggestions for their strengthening.

Neutrality तटस्थता - तटस्थता से आशय व्यक्ति का किसी व्यक्ति विशेष, विचारधारा, वर्ग, इत्यादि के प्रति पूर्वाग्रहों से दूर रहकर तथ्य, प्रमाण, तर्कों के आधार पर निर्णय देना अर्थात् वस्तुनिष्ठता के मूल्य को किसी वाद-विवाद विशेष में प्रयोजित करना

Non Partisanship (गैर-तरफदारी) → एक लोकसेवक द्वारा राजनीतिक दल, नेता, विचारधारा इत्यादि से अप्रभावित एवं असंबद्ध रहकर नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन करना यह वस्तुनिष्ठता तथा तटस्थता का प्रशासक द्वारा राजनीतिक असंबद्धता में अनुप्रयोग है।

5

भारत में स्थिति -

* भारत में प्रशासकों से तटस्थता एवं गैर-पक्षधारिता का मूल्य अपेक्षित है परन्तु वास्तविक धरातल पर ऐसा पूर्णतः प्रतीत नहीं होता है।
* लोकसेवक का मत देने का अधिकार, पारिवारिक सदस्य का चुनाव प्रत्याशी होने, सेवानिवृत्ति पश्चात् राजनीतिक नियुक्तियाँ प्राप्त करने, डिजायर प्रक्रिया से नियुक्ति एवं स्थानांतरण प्रक्रिया, भौतिकवादी समाज, व्यक्तिगत विचारधारा, पूर्वाग्रहों के कारण पूर्ण रूप से वस्तुनिष्ठा एवं गैर पक्षधारिता का मूल्य अभी स्थापित नहीं हुआ है।
* भारतीय प्रशासन के औपनिवेशिक स्वरूप के कारण भी तटस्थता एवं गैर-पक्षधारिता का मूल्य अभी भारतीय प्रशासन में विकासमान ही है।

सुदृढ़ीकरण हेतु सुझाव - 1. लोक सेवकों की भर्ती प्रक्रिया पाठ्यक्रम में नैतिकता का समावेशन तथा भर्ती पश्चात् निरंतर प्रशिक्षण व्यवस्था
2. मूल्यपरक शिक्षा प्रणाली जिससे भौतिकवादी मूल्य कमजोर हो।
3. द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों अनुसार प्रत्येक विभाग में Vigilance commissioner की नियुक्ति तथा अधिकारियों का 'Moral Assessment' की व्यवस्था।
4. सेवानिवृत्ति पश्चात् राजनीतिक नियुक्तियों पर पाबंदी, cooling off period etc.
5. विस्तृत एवं कठोर Code of Conduct तथा Code of Ethics की स्थापना

Samyak
An Institute For Civil Services

* स्थापना - 1949
नीति क्रियान्वन परिणामों की समीक्षा
केन्द्र एवं अन्य राज्य सरकारो के साथ समन्वय
जनसाधारण की शिकायतों का निवारण

2. राजस्थान शासन सचिवालय की भूमिका एवं कार्यों की व्याख्या करें:-
Explain the role and functions of Rajasthan Government Secretariat:-

शासन सचिवालय - 'राज्य प्रशासन का दिमाग' कहा जाता है - 'नीतिनिर्माण'
'सचिवो का घर' जिसका प्रशासनिक मुखिया - मुख्य सचिव (CS)
~~शासन सचिवालय की भूमिका~~ राजनीतिक मुखिया - मुख्य मंत्री (CM)

1. विभिन्न विभागो के मध्य समन्वय, सहयोग करने में,
2. विभिन्न विभागो से संबंधित नीति निर्माण मे प्रभावी भूमिका।
3. शासन सचिवालय - Line Agency के रूप में तथा निदेशालय - Staff Agency के रूप में धरातल पर कार्य करते है।
4. संसद में विभिन्न विभागो से संबंधित प्रश्नों एवं कार्यक्रमों की सूचना तैयार करने में
5. राज्य के बजट निर्माण हेतु विभिन्न विभागवार बजट मांग, अनुदान एवं अनुशंसाएं भिजवाने हेतु
6. नीति निर्माण करने तथा निदेशालयो द्वारा प्राप्त Feedback व मूल्यांकन के आधार पर संशोधन एव प्रभावी स्थापन करने में
7. विभिन्न विभागो के अंतर्गत आने वाले कार्मिको, अधिकारियों के स्थानांतरण, पदस्थापन, अनुशासनात्मक कार्यवाही इत्यादि में।
8. राज्य में कार्मिको के प्रभावी प्रबंधन में सचिवालय की भूमिका
9. सचिवों, शासन सचिवों के माध्यम से राजनीतिक नेतृत्व को सहायता प्रदान करने में
10. राज्य के मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को Single point Assistance प्रदान करने में।
11. विभिन्न विभागो के मध्य समन्वय, सहयोग स्थापित करने में।
12. राज्य के सम्पूर्ण प्रशासन को निर्देशित, नियंत्रित एवं प्रबंध करने में सचिवालय की भूमिका अहम है

इस प्रकार राज्य शासन सचिवालय 'राज्य प्रशासन का मस्तिष्क', 'सचिवों का घर', 'राज्य प्रशासन की धुरी' कहलाता है।

(5)

(Write above this line only)

* Conclusion लिखे।
* विधायी नियंत्रण की सीमाओ को भी include करे ← विधायिका का बड़ा आकार, गिलोटिन का अधिक प्रयोग, संकीर्ण दलगत राजनीति

Samyak
An Institute For Civil Services

3. प्रशासन पर विधायी नियंत्रण की समीक्षा कीजिए-
Review the legislative control on administration-

प्रशासन पर विधायी नियंत्रण

नियंत्रण के उपाय →

1. राज्यपाल का अभिभाषण, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा
2. प्रश्न काल (तारांकित, अतारांकित इत्यादि)
3. शून्य काल
4. विभिन्न समितियों के माध्यम से — स्थायी समितियाँ: लोक लेखा समिति, लोक उपक्रम समिति, ethics समिति इत्यादि; अस्थायी / तदर्थ समिति - बाफोर्स जांच समिति, 2G स्पेक्ट्रम समिति आदि
5. विभिन्न प्रस्तावों के माध्यम से
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव, निंदा प्रस्ताव इत्यादि
6. अधीनस्थ विधायन - delegate legislation / subordinate legislation

विधायी नियंत्रण की समीक्षा -

1. विधायी नियंत्र का भ्रमात्मक होना - विधायिका का कार्यपालिका के स्थान पर विपक्ष का पक्ष/सत्ता पर नियंत्रण?
2. विधायिका की संख्या बल अधिक होने व walk-out संस्कृति के चलते व्यापक संवाद-बहस तथा प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाता है
3. विधायिका के सदस्यों की विशेषज्ञता की कमी, अनुभव में कमी के कारण ब्यूरोक्रेसी पर अत्यधिक निर्भरता।
4. नीति निर्माण एवं अधीनस्थ विधायन में लोक सेवकों की प्रभावी भूमिका का होना विधायी नियंत्रण को निष्प्रभावी कर देती है
5. संसदीय व्यवस्था के कारण कार्यपालिका में भी विधायिका का बहुमत होने के कारण प्रभावी विधायी नियंत्रण संभव नहीं हो पाता है
6. हाल ही में महुआ मोइत्रा के 'cash for query case' एवं पूर्व में operation दुर्योधन के तहत संसदीय / विधायी नियंत्रण की प्रभावी उपस्थिति मिलती है अत: आरोपी सदस्यों की बर्खास्तगी विधायी नियंत्रण को स्पष्ट करती है।
7. विशेषाधिकार समिति, विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव कुछ प्रभावी उपाय हैं जो कार्यपालिका पर प्रभावी विधायी नियंत्रण स्थापित करती है।

(5)

(Unit – III) (Section – A) (20 Marks)

(यूनिट – III) (सेक्शन – A) (20 अंक)

Part – A Marks : 10

भाग - अ अंक : 10

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. ग्रीनस्टिक फ्रैक्चर व कमिन्यूट फ्रैक्चर में अंतर बताइयें-

   Explain the difference between greenstick fracture and comminuted fracture.

(Write above this line only)

2. 'मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी' टिप्पणी लिखिए-

   Write a comment on 'Maulana Abul Kalam Azad Trophy'.

(Write above this line only)

3. नरपत सिंह लंबोर
Narpat Singh Lambor

(Write above this line only)

4. ज्ञान योग की साधना में सहायक षटसम्पत्ति की अवधारणा को स्पष्ट करें-
Explain the concept of Shatsampatti which helps in the practice of Gyan Yoga-

(Write above this line only)

5. राजस्थान राज्य खेल परिषद् की संगठनात्मक संरचना बतायें-
Explain the organizational structure of Rajasthan State Sports Council-

2

राजस्थान राज्य खेल परिषद् की संगठनात्मक संरचना -

1957 में स्थापित ~~अध्यक्ष~~ - ~~राज्यपाल~~ मुख्य संरक्षक - राज्यपाल

राज्य स्तर पर ~~अध्यक्ष~~ - मुख्यमंत्री उप संरक्षक - मुख्यमंत्री

खेल संवर्धन की शीर्ष संस्था

अध्यक्ष - मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO)

वर्तमान - कृष्णा पूनिया

उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, राज्य सरकार द्वारा नामित 12 सदस्य

+

6 पदेन सदस्य - 1. निदेशक, माध्यमिक (प्रारंभिक) शिक्षा
2. निदेशक, उच्च शिक्षा
3. सचिव, वित्त विभाग
4. सचिव, खेल विभाग

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

Part – B
भाग - ब

Marks : 10
अंक : 10

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. "योग, भारत की सांस्कृतिक विरासत है।" स्पष्ट कीजिए-
"Yoga, is the cultural heritage of India". Explain-

(3)

योग से तात्पर्य संयोग से है मिलन से है जिसमें आत्मा का परमात्मा से मिलन है।
योग भारत की सांस्कृतिक विरासत है

→ श्री मद्भगवत गीता में योग - 'योग कर्मसु कौशलम्' है।
→ योग पर प्रथम रचना हिरणगर्भ में मिलती है।
→ पतंजलि का 'योगसूत्र' जिसमें विभिन्न यौगिक मुद्राएँ मिलती हैं
→ भारत में सिंधु सभ्यता काल से ही 'Protoshiva' की पूजा के प्रमाण मिलते हैं तथा भगवान शिव की 'नटराज की प्रतिमा' जो चोल, विजयनगर साम्राज्य से प्राप्त होती है भारत में योग के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करती है
→ भगवान शिव का तांडव, पतंजलि का योगसूत्र, हिरण्यगर्भ सूत्र, श्रीमद् भगवतगीता में 'योग कर्मसु कौशलम्' इत्यादि से स्पष्ट है कि योग भारत की सांस्कृतिक विरासत है

(Write above this line only)

2. भारत में खिलाड़ियों की खेल उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रदान किये जाने वाले राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
Write a brief note on the National Sports Awards given at the national level to recognize the sports excellence of sportspersons in India-

(3)

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार

1. मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार
   - पूर्व में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के नाम से
   - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को
   - राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च पुरस्कार
   - → 25 लाख ₹ नकद, प्रशस्ति पत्र, ब्लेजर मय टाई / पारम्परिक वेशभूषा
   - → खिलाड़ी को एक बार ही देय।
   - → मरणोपरांत भी देय
2. अर्जुन पुरस्कार
   - लगातार चार वर्षों से उत्तम प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को देय
   - चयन समिति के माध्यम से चयन (प्रतिवर्ष)
   - 15 लाख ₹ नकद, प्रशस्ति पत्र, अर्जुन की कांस्य प्रतिमा इत्यादि
3. द्रोणाचार्य पुरस्कार 5 लाख ~~15~~ लाख ₹, द्रोणाचार्य की प्रतिमा, प्रशस्ति पत्र
   - उत्कृष्ट खेल प्रशिक्षक (coach) को
4. ~~खेल~~ राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार (₹ ~~15 लाख~~)
5. ध्यानचंद खेल पुरस्कार इत्यादि

* मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी (₹ 15 लाख)

(Write above this line only)

(Unit – III) (Section – B) (20 Marks)

(यूनिट – III) (सेक्शन – B) (20 अंक)

Part – A (10 Marks)

भाग - अ (10 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

(2)

1. आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण के प्रमुख संसूचक बतायें-

Tell the main indicators of spiritual intelligence test-

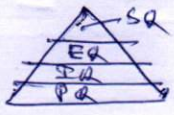

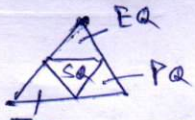

आध्यात्मिक बुद्धि सभी बुद्धियों के केन्द्र में है।

आध्यात्मिक बुद्धि (SQ) से तात्पर्य सभी परिस्थितियों में अंदर व बाहरी रूप से संतुलित स्थिर, विवेकी व्यवहार / आचरण करना।

प्रमुख संसूचक –
1. धैर्य (Passion)
2. स्थिरता / दृढ़ता (dedication)
3. लचीलापन (Flexibility)
4. विवेकशीलता (Congruence)
5. समावेशिता (inclusiveness)
6. सहिष्णुता (Tolerance)
7. सुसंगतता (Congruence)

(Write above this line only)

2. पूर्वोन्मुख अवरोध एवं अग्रोन्मुख अवरोध में अंतर उल्लेखित कीजिए-

What is the difference between backward facing obstruction and forward facing obstruction?

(2)

पूर्वोन्मुख अवरोध	अग्रोन्मुख अवरोध
1. अधिगम के दौरान पूर्व के किसी ज्ञान / अधिगम के कारण वर्तमान / आगामी अधिगम में अवरोध उपस्थित होना।	1. आगामी अधिगम (भविष्यगामी) के कारण पूर्व के अधिगम में अवरोध उपस्थित होना।
2. भूतकाल के अधिगम का वर्तमान पर प्रभाव।	2. भविष्यगामी / आगामी अधिगम का पूर्व अधिगम पर नकारात्मक प्रभाव है।

(Write above this line only)

* प्रश्नावली व सर्वेक्षण
* साक्षात्कार व अवलोकन
* मूल्यांकन प्रतिक्रिया
(1)

3. प्रेरणा के मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन उपकरणों का नाम लिखिए-
Name the psychological assessment tools of motivation-

प्रेरणा के मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन उपकरण -

(1) अवरोध बॉक्स उपकरण - अवरोध उपस्थित होने पर भी लक्ष्य की तरफ अग्रसर होना

(2) चयन विधि - दो या अधिक प्रेरकों में से चयन के आधार पर

(3) प्रेरक प्रबलता उपकरण - प्रेरकों के तीव्रता के मापन के आधार पर

(Write above this line only)

जीवन की घटना तनाव उत्पन्न नहीं करती अपितु उस घटना के प्रति दृष्टिकोण से तनाव का होना या न होना depend करता है
(1)

4. तनाव प्रतिक्रिया के 'लैजरिस दृष्टिकोण' को स्पष्ट कीजिए-
Explain the 'Lazarus view' of stress response.

* लैजारस के अनुसार जीवन की प्रत्येक अवस्था में अलग-अलग Emotions जुड़े होते है तथा तनाव इन्हीं 'संवेगों' के प्रकट होने की प्रक्रिया है।

* प्रत्येक stage से संबंद्ध संवेग (सकारात्मक-नकारात्मक) तनाव के रूप में उभार होते है।

* लैजारस के अनुसार तनाव मॉडल के घटक - (1) खतरा (threat) (2) चुनौती (challenge) (3) लाभ (Benefit) (4) नुकसान (Harm)

* प्रत्येक stage (Anticipatory stage, waiting stage, outcome stage) के साथ संवेग जुड़े होते है।

(Write above this line only)

5. 'असंरचित साक्षात्कार' पर टिप्पणी लिखिए-
Write a comment on 'Unstructured Interview'-

(2)

→ असंरचित साक्षात्कार व्यक्तित्व को पहचानने/मूल्यांकन करने का अप्रक्षेपित (Non-Projective) माध्यम है।

→ असंरचित साक्षात्कार एक अनौपचारिक साक्षात्कार होता है।

→ इसका मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के बारे में जानने उसकी अभिव्यक्ति, संवेग, क्रिया-प्रतिक्रियाओं आदि को जानना है।

→ इस साक्षात्कार में प्रश्न कम पूछे जाते हैं तथा जानने का अधिक प्रयास होता है।

→ व्यक्तित्व मूल्यांकन की प्रभावी विधि है।

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

Part – B (10 Marks)

भाग - ब (10 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. बैन्डुरा के सामाजिक अधिगम सिद्धान्त पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
Write a short note on Bandura's social learning theory-

3

बांडुरा का सामाजिक अधिगम सिद्धांत -

(i) बांडुरा के अनुसार सामाजिक अधिगम से आशय समाज द्वारा स्वीकृत व्यवहार को अपनाना एवं वर्जित व्यवहार को नकारना है।

(ii) बांडुरा के अनुसार सामाजिक अधिगम अवलोकन (observation), नकल करना, प्रत्यक्षण करना एवं आदर्श व्यवहार के प्रतिमान (Modelling) की नकल करना है।

(iii) बांडुरा का सामाजिक अधिगम सिद्धांत व्यवहारवाद एवं संज्ञानात्मक अधिगम के मध्य है क्योंकि इसमें ध्यान अवधान, स्मृति एवं प्रेरणा समाहित है।

(iv) सामाजिक अधिगम के कारक -
A. अभिप्रेरणा (Motivation)
B. स्व नियंत्रण
C. स्व विवेक (Self-discretion)
D. स्व निर्णय (self determination)
E. स्व अनुक्रिया (self Response)

(Write above this line only)

2. शीलगुण सिद्धान्त का मूल्यांकन करें-
Evaluate the virtue theory-

1/2

शीलगुण सिद्धांत - कैटल द्वारा शीलगुण सिद्धांत दिया गया है।

* कैटल द्वारा शीलगुणों को सतही व मूल शीलगुणों में विभाजित किया है। अर्थात् सामान्य व विशिष्ट शीलगुणों में विभेद किया गया है।

*

(Write above this line only)

(Unit – III) (Section – C) (20 Marks)

(यूनिट – III) (सेक्शन – C) (20 अंक)

Part – A Marks : 10

भाग - अ अंक : 10

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को रोकने के सन्दर्भ में आने वाली प्रमुख चुनौतियों को लिखिए-

Write the major challenges in preventing crimes against women. 2

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को रोकने में आने वाली चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं-

1. महिलाओं का वस्तुकरण होना (objectification)
2. परम्परागत, रूढ़िवादी समाज ~~और~~
3. विभिन्न अधिनियमों, कानूनों का युक्तिसंगत न होना व उचित अनुपालन न होना
4. मूल्य परक शिक्षा का अभाव तथा लिंग विभेद - पितृसत्तात्मक समाज की उपस्थिति
5. लिंग-संवेदीकरण (Gender Sensitization) का अभाव।
6. प्रभावी पुलिसिंग एवं community Policing का अभाव
7. भौतिकवादी मूल्यों, मादक पदार्थों के अति सेवन से समाज का नैतिक पतन होना।

(Write above this line only)

8. महिला सशक्तीकरण का प्रभावी न होना

2. बौद्धिक सम्पदा अधिकार पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका को स्पष्ट करें-

Explain the role of Intellectual Property Rights ecosystem- 2

बौद्धिक सम्पदा अधिकार से आशय ऐसी अमूर्त सम्पदा के संबंध में एकाधिकार से है जो मानवीय बौद्धिक रचनात्मकता का परिणाम है-

IPR Ecosystem की भूमिका -

1. बौद्धिक सम्पदा पर अधिकारों को सुरक्षा प्रदान करता है जिससे सृजनकर्ता को आर्थिक लाभ हो
2. समाज में अनुसंधान, शोध, सृजनशीलता, नवाचार को प्रोत्साहित करता है
3. वैज्ञानिक अभिवृत्ति को विकसित करता है तथा प्रगतिशील तकनीकों, साहित्यिक रचनाओं इत्यादि को प्रोत्साहन
4. IPR Ecosystem जहाँ एक और घरेलू नवाचारों को प्रोत्साहन देता है वहीं अंतर्राष्ट्रीय 'Brand image' तथा निवेश को प्रोत्साहित करता है

(Write above this line only)

5. विभिन्न आपदाओं जैसे covid-19 - covid vaccine covax, covishield etc निर्माण को प्रोत्साहन।
6. एक न्यायपूर्ण समाज (Justicious Society) की स्थापना में सहायक।

3. माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधि., 2007 के अंतर्गत 'माता-पिता' से क्या अभिप्रेत है-

What is meant by 'parents' under the Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act, 2007?

(2)

अधिनियम के अंतर्गत माता-पिता से आशय है-

1. जैविक माता-पिता (Biological Parents)
2. दत्तक संतान के माता-पिता (Adopted child के Parents)
3. वैधानिक माता-पिता (Legal Parents)
4. वह माता-पिता/वरिष्ठ नागरिक जिसने किसी रिश्तेदार/व्यक्ति को भरण-पोषण के बदले सम्पत्ति हस्तांतरित की हो।

(Write above this line only)

4. ''सूचना का अधिकार और निजता का अधिकार' एक-दूसरे के पूरक होने के साथ ही एक दूसरे के विरोधी भी है।'', स्पष्ट करें-

"Right to Information and Right to Privacy are complementary to each other but are also opposed to each other", explain-

(2)

सूचना का अधिकार से तात्पर्य लोक प्राधिकरण से संबंधित सूचना, दस्तावेज, आदेश, परिपत्र, लॉगबुक इत्यादि का सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना तथा पारदर्शी व उत्तरदायी प्रशासन की स्थापना

निजता का अधिकार - व्यक्तिगत मामले में भारतीय संविधान के अंतर्गत न्यायिक निर्णयानुसार अब मूल अधिकार है।

[एक दूसरे के पूरक] - जहाँ सूचना का अधिकार [सार्वजनिक क्षेत्र] में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सूचना की उपलब्धता सुनिश्चित करता है वहीं निजता का अधिकार (व्यक्तिगत जीवन) की निजता

[एक दूसरे के विरोधी]

सूचना का अधिकार	निजता का अधिकार
1. सूचना का प्रगटीकरण	1. सूचना (व्यक्तिगत) की निजता
2. सार्वजनिक रूप से सूचना उपलब्ध होना	2. सूचनाएँ न व्यक्त करने का अधिकार

(Write above this line only)

5. अमल-दरामद

Enforcement

(2)

- अमल दरामद से तात्पर्य किसी नियम, अधिनियम, विनियम का लागू होना अर्थात् 'अमल में लाना' है।
- अमल दरामद का कार्य Staff Agency के द्वारा किया जाता है
- विभिन्न नियमों, कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन ही लक्षित वर्गों तक इसका लाभ पहुँचाता है

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

(28)

Part – B | Marks : 10

भाग – ब | अंक : 10

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. डीप फेक क्या है? वर्तमान में इसके बढ़ते दुष्प्रभावों को लिखिए-
What is deep fake? Write its increasing side effects in present times. (3)

Deep fake - डीप फेक से आशय Artificial intelligence तथा Machine Learning की सहायता से किसी फोटो, वीडियो, ऑडियो, टेक्स्ट इत्यादि को परिवर्तित करना जिससे किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत चरित्र एंव सम्मान को हानि पहुँचती हो।

बढ़ते दुष्प्रभाव -
1. मुख्यत! महिलाओं को लक्षित किया जाता है जैसे हाल ही में सम्बर्यास्त्र अभिनेत्री काजल अग्रवाल का डीप फेक वीडियो आदि
2. व्यक्तिगत चरित्र एंव मान सम्मान पर नकारात्मक प्रभाव।
3. व्यक्तिगत छवि को धुमिल करने का प्रयास किया जाता है
4. साइबर अपराध - तथा डीप फेक के आधार पर धमकी मानसिक शारीरिक प्रताड़ना आदि
5. तकनीक का अपराधियों द्वारा प्रयोग कर सामाजिक ताने बाने, समन्वय, सहयोग पर प्रतिकूल प्रभाव
6. डीप फेक के माध्यम से साम्प्रदायिक दंगों, अफवाहों, अलगाववादी वातावरण तैयार करना
7. सामान्यत! महिला वर्ग को लक्षित किया जाता है जिससे महिला सशक्तीकरण पर विपरीत प्रभाव

(Write above this line only)

2. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के अनुसार 'काश्तकारी का सम्पर्क' का तात्पर्य उल्लेखित कीजिए-
According to the Rajasthan Tenancy Act 1955, mention the meaning of 'contact of tenancy'.

(Write above this line only)